वर्ष-15, अंक-56
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सादगी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं होता और विनम्रता से बढ़कर कोई व्यवहार नहीं होता।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

बिहार, रविवार, 02 जून 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में लगा लिफ्ट शोभा की वस्तु

उक्त मामले का जिला लोक शिकायत में हुआ निष्पादन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर सरोजा सीताराम राजकीय सदर अस्पताल में मरीजों के सुविधा के लिए लगा लिफ्ट बंद रहने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है । इस मसले पर शिवहर के आरटीआई कार्यकर्ता मुकुन्द प्रकाश मिश्र द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 के तहत सरोजा सीताराम सदर अस्पताल, शिवहर में लगा लिफ्ट चालू करने के सम्बन्ध में परिवाद दायर किया गया है।

उक्त के आलोक में ज्ञापांक- 40311-19539 दिनांक-24.04.2024 द्वारा सिविल सर्जन, शिवहर को नोटिस निर्गत किया गया। इस परिवाद की सुनवाई दिनांक- 03.05.2024 एवं 16.05.2024 को की गई।

दिनांक- 03.05.2024 को परिवादी उपस्थित । सिविल सर्जन, शिवहर के प्रतिनिधि डॉ0 अरुण कु?मार सिन्हा उपस्थित असैनिक शल्य चिकित्सक-सह- मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, शिवहर ने अपने पत्रांक- 244 दिनांक- 03.05.2024 द्वारा प्रतिवेदित किया है कि परिवाद के सम्बन्ध में कहना है कि 01. सरोजा सीताराम सदर अस्पताल, शिवहर में लगा लिफ्ट संचालित एवं चालू है।

02. लीवर संचालन हेतु, लिवर मैन संबंधित को देना था, जो अबतक नहीं उपलब्ध कराया गया है। 03. संबंधित एजेंसी को लिवर मैंन उपलब्ध कराने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। लिवर मैंन उपलब्ध होते ही सुचारू रूप से लिवर संचालित होना शुरू हो जाएगा।

उक्त प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। लोक प्राधिकार का प्रतिवेदन स्पष्ट नहीं है। लोक प्राधिकार के प्रतिवेदन के अनुसार लिफ्ट चालू स्थिति में है। जनता के सुविधा के लिए लिफ्ट चालक का वैकल्पिक व्यवस्था किया जाना चाहिए था, जो नहीं किया गया है। साथ ही संबंधित कम्पनी के द्वारा लिफ्ट मैंन की व्यवस्था नहीं की गई है इस सम्बन्ध में आपके द्वारा कौन सी कार्रवाई की गई जो प्रतिवेदन में स्पष्ट नहीं है।

लोक प्राधिकार को निदेश दिया गया कि अगली तिथि को स्पष्ट प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

वाद की अगली सुनवाई दिनांक- 16.05.2024 को समय 11.00 बजे पूर्वाहन में निर्धारित की गई आज सुनवाई के समय परिवादी अनुपस्थित असेनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, शिवहर के प्रतिनिधि डॉ0 सुरेश राम, गैर संचारी रो पदाधिकारी, शिवहर उपस्थित असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, शिवहर ने अपने पत्रांक- 271 दिनांक- 15.05.2024 द्वारा प्रतिवेदित किया है कि उपाधिक्षक, सरोजा सीताराम सदर अस्पताल, शिवहर ने अपने पत्रांक-256 दिनांक- 15.05.2024 द्वारा प्रतिवेदन दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि लिफ्ट संचालक कम्पनी *FRAXIKSON ELFVATOR & ESCALATOR INDUSTRIES KOLKATA BRANCH* को पत्र प्रेषित किया गया था जिसके अनुपालन में कम्पनी के प्रतिनिधि दिनांक-10.05.2024 को अस्पताल आकर लिफ्ट का निरीक्षण किया गया और उन्होने सारी प्रक्रिया पूर्ण होने के लिए पन्द्रह दिन का समय मांगा गया है।

इस संबंध में कम्पनी से लगातार संपर्क किया जा रहा है, कम्पनी द्वारा लिफ्ट मैन जल्द ही उपलब्ध करा दिया जाएगा। उसके उपरांत लिफ्ट पूर्ण रूपेण कार्य करना शुरू हो जाएगा। बर्तमान में जो लिफ्ट है वह बैकल्पिक व्यवस्था के तहत चालु है। उक्त प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया तथा परिवादी को दूरभाष के माध्यम से प्रतिवेदन से अवगत कराया गया। असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, शिवहर के प्रतिवेदन के आलोक में वाद को स्वीकृत करते हुए निष्पादित किया गया है।

न्यायाधीशों ने तंबाकू निषेध दिवस पर शपथ दिलाई

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश के आलोक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार उदयवंत कुमार के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव ललन कुमार रजक ने तंबाकू निषेध दिवस पर सभी न्यायिक दंडाधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारीयों एवं पारा विधिक स्वयं सेवकों को तंबाकू नहीं सेवन करने की शपथ दिलाई है।

इस दौरान कार्यक्रम में सभी ने धूमपान व अन्य किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ ली तथा परिजनों एवं परिचितों को भी धूम्रपान या

तंबाकू उत्पाद का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली है।

इस अवसर पर प्रभारी सचिव ने कहा कि तंबाकू के लत को दुनिया भर में रोके जाने के लिए जागरूकता फैलाया जा रहा है तथा रोकने के प्रयास किया जा रहे हैं ।तंबाकू मौत व दिव्यंगता का बहुत बड़ा कारण है। न्यायाधीश ने तंबाकू सेवन से हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाते हुए कहा है कि हर एक व्यक्ति को तंबाकू छोड़ने चाहिए।

बिहार में कहर बरपा रही चिलचिलाती गर्मी

मुख्य सचिव ने अस्पतालों को जारी किए ये अहम निर्देश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, भीषण गर्मी और लू से लगातार होने वाले मृत्यु को देखते हुए सरकार ने सभी जिलों को गर्मी से बचाव, लोगों के इलाज के साथ पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। राज्य के मुख्य सचिव की ओर से सभी विभागों को आवश्यक कदम उठाने का कहा गया है।

मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी स्तर के प्राथमिक अस्पतालों से लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में गर्मी से बीमार होने वाले लोगों के इलाज की व्यवस्था का निर्देश दिया गया है।

अस्पतालों से कहा गया है कि वे लू की चपेट में आने वाले मरीजों के

लिए अलग से वार्ड, इलाज की व्यवस्था करें। अस्पतालों में पर्याप्त ओआरएस रखे। जूल वार्ड में एयरकंडीशन की व्यस्था रखें। उन्होंने कहा कि सरकार हर रोज का अपडेट प्रतिदिन जिलों से ले रही है, तमाम व्यवस्थाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जा रही है।

4 जून को सत्ता से बाहर हो जाएगा NDA

पटना में मतदान के बाद तेजस्वी का बड़ा दावा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना- पटना में दो लोकसभा सीट पर मतदान जारी है. इसी बीच बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सह बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राजद विधायक तेज प्रताप यादव ने मतदान किया. पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए पटना के वेटनरी कॉलेज में बने बूथ नंबर 170 पर वोट की.इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए लोगों से वोट करने की अपील की. कहा कि %बिहार और देश के लोगों से

अपील है कि घर से निकलकर मतदान करें. संविधान और आरक्षण को जो लोग खत्म करना चाहते हैं और जिन लोगों ने महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी लायी है, उनके खिलाफ वोट का चोट करें.इस दौरान मीडिया ने एग्जिट पोल को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि किस एग्जिट पोल पर भरोसा किया जाए. उन्होंने कहा कि 4 जून को इंतजार कीजिए. उस दिन फैसला हो जाएगा. तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि 4 जून को एनडीए देश की सत्ता से बाहर होने जा रही है. तेजस्वी यादव ने लोगों से संविधान बचाने की अपील की है.

नशे में कार चला रहे थे BDO

दो पुलिसकर्मी को ही मार दी टक्कर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

भभुआ, भभुआ के चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित केवां नहर के समीप गुरुवार की रात लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 10ः45 बजे आने जाने वाले वाहनों की उत्पाद विभाग की टीम जांच कर रही थी। इस दौरान दो महिला पुलिसकर्मियों को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिसमें दोनों गंभीर रूप घायल हो गई। जिन्हें उपचार के लिए भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां से रेफर कर दिया गया।घायलों में उत्पाद विभाग की एएसआइ लवली कुमारी व सिपाही आरती कुमारी शामिल हैं। वहीं जिस वाहन से दुर्घटना हुई है उक्त वाहन चैनपुर बीडीओ चंद्रभूषण गुप्ता चला रहे थे, जो नशे में थे। जिन्हें उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार

कर लिया। बताया जा रहा है कि लवली कुमारी का सिर फट गया है जबकि सिपाही आरती कुमारी का एक पैर टूट गया है।

तेजस्वी बोले- सबको पता है एग्जिट पोल कैसे दिखाया जाता है कोई फर्क नहीं पड़ेगा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने एग्जिट पोल से जुड़े सवाल पर बोलते हुए कहा कि सबको पता है *E&it Poll* कैसे दिखाया जाता है, एकतरफा दिखाने का प्रेशर रहता है... हम लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता है.

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में बिहार की आठ सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं. अब चुनाव आयोग ने दोपहर एक बजे तक हुए मतदान का आंकड़ा साझा किया है. आयोग के अनुसार, बिहार की सभी सीटों पर 35.65% वोटिंग हो चुकी है.

फुलिया कलां टीम भगत सिंह आर्मी उपा अध्यक्ष हर्षित तोषनीवाल ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए अपने विचार साझा करे

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

फुलिया कलां टीम भगत सिंह आर्मी उपा अध्यक्ष हर्षित तोषनीवाल ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए अपने विचार साझा किए,सूखते कंठ और खतरे में जान तपती जमीन, धधकता आसमान, जी हाँ जलवायु परिवर्तन के दौर में गर्मी का बढ़ता प्रकोप अनेक चिंताएँ उत्पन्न कर रहा है। भूमि के सभी क्षेत्र गर्मी के प्रकोप से समान रूप से प्रभावित नहीं होते हैं। जहाँ अधिक हरियाली है, पेड़ हैं, वहाँ गर्मी की मार अपेक्षाकृत कम है, जहाँ पूरा क्षेत्र सीमेंट-कंक्रीट के निर्माणों और सड़कों से भरा पड़ा है, वहाँ गर्मी अधिक होती है।

प्राय: किसी भी शहर के लिए एक ही तापमान बताया जाता है, पर वास्तव में एक ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान में बहुत अंतर होता है। 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक का अंतर एक ही महानगर या बड़े शहर के भीतर देखा जा सकता है। वृद्ध और पहले से कमजोर स्वास्थ्य के लोगों पर चरम गरमी के दिनों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है । गर्मी के प्रकोप से उन लोगों की स्थिति और बिगड़ सकती है, जो पहले से साँस व हृदय संबंधी समस्याओं से त्रस्त हैं । पर्यावरणविदों के अनुसार, शहरों में अधिक तापमान के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं। आधुनिक शहरों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है। गाँव में हवा रुकती नहीं है, लेकिन शहरों में ऊँची इमारतों की

वजह से हवा रुकती है और बेचैनी बढ़ती है। शहर रेगिस्तान की तरह होने लगे हैं। कई जगहों पर किसी वनस्पति का नामोनिशान नहीं होता है, ऐसे इलाकों पर

बारिश भी बेअसर होती है। वाष्पीकरण कम होता है और गर्मी बढ़ जाती है। शहरों में मानव-जनित ऊष्मा भी बहुत बढ़ गई है। पेट्रोलियम पदार्थों के अधिकतम उपयोग से भी शहरी तापमान बढ़ रहा है। गर्मी के प्रकोप को कम करने के लिए बसावट सुधारने से हरियाली बढ़ाने तक बहुत काम हैं, जो हमें करने चाहिए। स्थानीय प्रजाति के वृक्षों की संख्या बढ़ाने तथा परंपरागत जलस्रोतों की रक्षा पर ध्यान देना चाहिए । बढ़ते तापमान की वजह से हर उम्र के लोगों को गर्मी से संबंधित बीमारी होने और लू लगने की बहुत अधिक संभावना होती है । बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों वाले व्यक्तियों के लिए यह स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चिंता का विषय है. आईएमडी ने लोगों को गर्मी और पानी कम पीने से बचने की सलाह दी है।

जमीन तप रही है और आसमान आग उगल रहा है, सूरज की तपन शरीर का सारा पानी चूस रही है, ये हाल दिल्ली-एनसीआर का है। राजस्थान राज्य और हमारा जिला भी इन दिनों हीट स्ट्रोक का कहर झेल रहा है। पारा 50 डिग्री के करीब है। गर्मी ने 100 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है। गर्मी का आलम यह है कि लोगों का सड़क पर निकलना मुहाल हो रहा है। बाहर निकलने पर लोग ठंडे पानी का सहारा ले रहे हैं और अपने सिर को सूती कपड़े से ढक रहे हैं, ताकि धूप सीधे शरीर की सारी एनर्जी न खींच ले।बढ़ते शहरीकरण के दुष्प्रभावों के बारे में भी सिंहन बताया गया है। अध्ययन के मुताबिक निर्माण में बढ़ोतरी और शहरी हीट स्ट्रेस के बीच सीधा संबंध है। बीते दो दशकों में सभी बड़े शहरों में आत्म कंक्रीट का इस्तेमाल बढ़ा है और पेड़ कटे हैं।

अगर ग्लोबल वार्मिंग 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रुक भी गई तो भी चरम गर्मी की तीव्रता और बारंबारता और बढ़ेगी। साथ ही गर्मी की लहर वाले दिनों की संख्या भी बढ़ेगी। इस स्थिति से निपटने के लिए अलग अलग शहरों के हिसाब से गर्मी प्रबंधन योजनाओं की जरूरत है।।